

चरिंजीवी योजना में नःशुल्क कॉकलियर इंप्लांट

चर्चा में क्यों?

30 नवंबर, 2022 को राजस्थान के जयपुर के एसएमएस अस्पताल के ईएनटी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोहनीश गरोवर ने बताया कि राज्य में 'मुख्यमंत्री चरिंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' के तहत अब सरकारी अस्पताल में कॉकलियर इंप्लांट पूरी तरह नःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- प्रोफेसर डॉ. मोहनीश गरोवर ने बताया कि जन्म से सुनने और बोलने की अक्षमता एक गंभीर समस्या है, जिसका असर आजीवन रह सकता है। भारत में पैदा होने वाले प्रत्येक हजार बच्चों में से चार बच्चे ऐसी विकृति के साथ पैदा होते हैं। इसके उपचार में कॉकलियर इंप्लांट तकनीक बेहद कारगर सिद्ध हुई है। विशेष रूप से राजस्थान इस तकनीक के ज़रिये उपचार उपलब्ध करवाने में देश में अग्रणी राज्य बनकर सामने आया है।
- उन्होंने बताया कि कॉकलियर इंप्लांट करने के लिये रोगी के मसतषिक में इस कॉकलियर नर्व का होना आवश्यक होता है। लेकिन जनि मरीजों में यह नर्व नहीं होती, उनमें सर्जरी के ज़रिये कॉकलियर नस विकसित कर इंप्लांट किया जाता है, जैसे ऑडिटर ब्रेन स्टेम कहते हैं। यह अत्याधुनिक तकनीक है, जो अभी केवल चेन्नई व दिल्ली के कुछ नज़ी अस्पतालों में ही इस्तेमाल की जाती है।
- राजस्थान देश का पहला राज्य है, जहाँ यह 18 से 20 लाख रुपए में होने वाला बेहद खर्चीला इंप्लांट सरकारी अस्पताल में नःशुल्क किया जा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि राजस्थान आंध्र प्रदेश और केरल के बाद देश का तीसरा ऐसा राज्य है, जहाँ कॉकलियर इंप्लांट के ज़रिये पाँच वर्ष तक के करीब एक हजार 100 बच्चों की सुनने और बोलने की क्षमता लौटाई जा रही है।
- गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश और केरल में जहाँ यह तकनीक नज़ी अस्पतालों में ही उपलब्ध है, वहीं राजस्थान में यह मुख्यमंत्री चरिंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सरकारी अस्पताल में पूरी तरह नःशुल्क उपलब्ध है।
- वर्तमान में प्रदेश के पाँच शहरों के राजकीय अस्पतालों में नःशुल्क कॉकलियर इंप्लांट की सुविधा उपलब्ध है। इनमें जयपुर, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर और जोधपुर शहर शामिल हैं।
- जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अब तक 700, जयपुरिया अस्पताल में 95, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर में 145, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर में 40, एसएन मेडिकल कॉलेज जोधपुर में 60 तथा जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर में 20 इंप्लांट किये जा चुके हैं।
- प्रोफेसर डॉ. मोहनीश गरोवर ने बताया कि कॉकलियर इंप्लांट के लिये बच्चों की जितनी कम आयु होती है, उतना ही अधिक लाभ मिलता है। स्वास्थ्य नीति के अनुसार इंप्लांट के लिये नौ महीने की आयु अनुमोदित है, यानी कम से कम नौ महीने से बड़े बच्चों का ही ऑपरेशन हो सकता है।
- राजस्थान में 4 साल से कम उम्र के बच्चे नःशुल्क इलाज प्राप्त कर सकते हैं। कॉकलियर इंप्लांट का ऑपरेशन सामान्यतः बहुत महंगा है। प्रत्येक ऑपरेशन का खर्च कम से कम आठ से 10 लाख होता है।
- वदिति है कि 1 अप्रैल, 2022 से कॉकलियर इंप्लांट को 'मुख्यमंत्री चरिंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' में शामिल किया गया है।